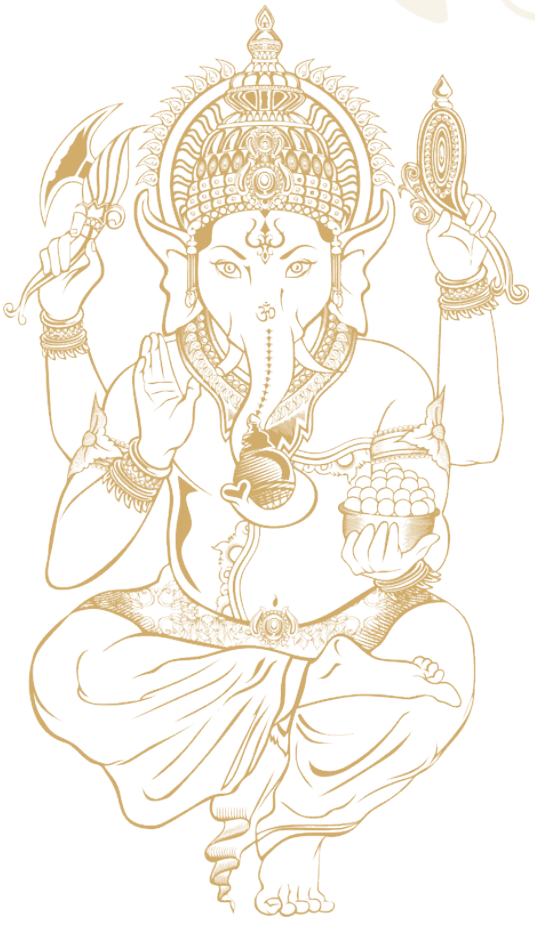

Vijay Laxmi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120434005

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17-18/06/1997	जन्म तिथि	03/03/2006
मंगल-बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 02:15:00	जन्म समय	13:35:00 घंटे
घटी 51:21:31	जन्म समय(घटी)	17:33:11 घटी
India	देश	India
Hyderabad	स्थान	Delhi
17:22:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
78:26:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:42:23	सूर्योदय	06:44:46
18:52:10	सूर्यास्त	18:21:54
23:49:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 9वर्ष 0मा 19दि		08:00:58	मेष	लग्न	मिथु	17:49:09	केतु 4वर्ष 6मा 12दि	
बुध		02:51:23	मिथु	सूर्य	कुंभ	18:39:36	शुक्र	
07/07/2025		25:47:21	तुला	चंद्र	मेष	04:41:48	14/09/2010	
07/07/2042		05:32:14	कन्या	मंगल	वृष	12:54:03	14/09/2030	
बुध	04/12/2027	23:17:25	वृष	बुध व	मीन	02:57:47	शुक्र	14/01/2014
केतु	30/11/2028	28:01:17	मक व	गुरु	तुला	24:54:56	सूर्य	14/01/2015
शुक्र	01/10/2031	22:53:43	मिथु	शुक्र	मक	04:28:57	चन्द्र	14/09/2016
सूर्य	06/08/2032	24:52:47	मीन	शनि व	कर्क	11:24:20	मंगल	14/11/2017
चन्द्र	06/01/2034	00:21:13	कन्या व	राहु	मीन	10:30:36	राहु	14/11/2020
मंगल	03/01/2035	00:21:13	मीन व	केतु	कन्या	10:30:36	गुरु	16/07/2023
राहु	22/07/2037	14:21:27	मक व	हर्ष	कुंभ	16:53:02	शनि	14/09/2026
गुरु	28/10/2039	05:35:22	मक व	नेप	मक	24:16:26	बुध	15/07/2029
शनि	07/07/2042	09:47:18	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	02:37:25	केतु	14/09/2030

लग्न-चलित

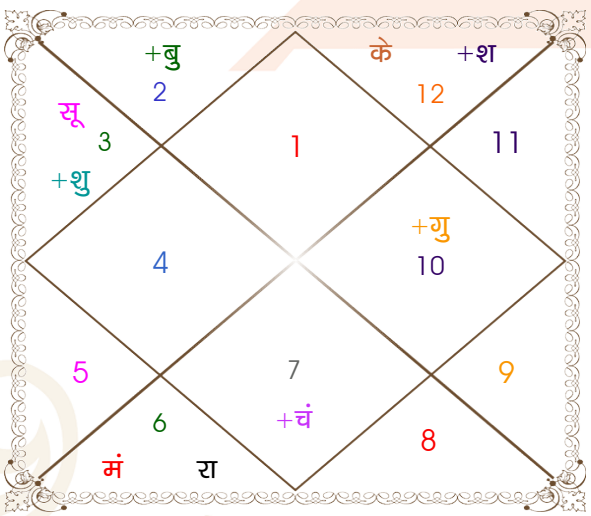

लग्न-चलित

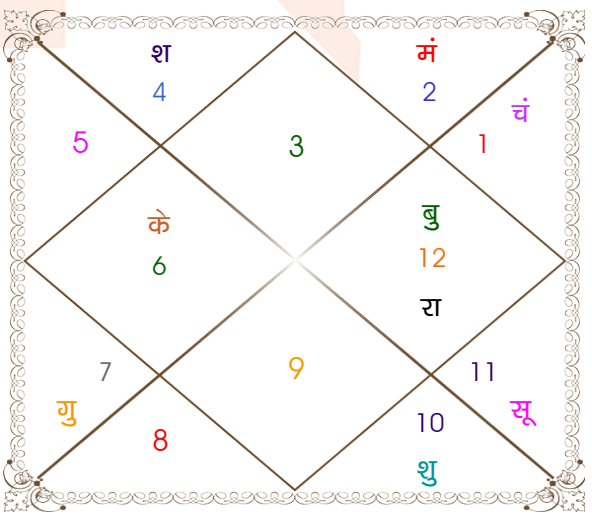

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

टपरंल का वर्ग सर्प है तथा Laxmi का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टपरंल और Laxmi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

टपरंल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Laxmi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Laxmi कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि टपरंल कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टपरंल कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टपरंल तथा Laxmi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।